FOUNDATION FOR A SMOKE-FREE WORLD

भारत में धूम्रपान की स्थिति

धूम्रपान दर: 14.0 प्रतिशत

FCTC का सदस्य: हाँ

FCTC के आरंभ से:

- **धूम्रपान में कमी**: साल 2000 में, 33.8 पुरुष और 5.7 प्रतिशत महिलाएं धूम्रपान करती थीं। साल 2010 तक, 23.5 पुरुष और 2.5 प्रतिशत महिलाएं धूम्रपान कर रही थीं। वर्तमान में, धूम्रपान की दरें कम होकर 14.0 प्रतिशत तक आ गई हैं।
- **प्रतिबंध:** साल 2008 से, सारे भारत में कई सार्वजनिक स्थानों में धूम्रपान वर्जित कर दिया गया है। विमानस्थलों, रेस्टोरेंटों, बारों, पबों और समावृत कार्यस्थलों में केवल निर्दिष्ट अलग धूम्रपान क्षेत्रों में ही धूम्रपान की अनुमति है।
- **स्वास्थ्य चेतावनियाँ:** साल 2016 तक, भारत ने 85 प्रतिशत से अधिक सिगरेट पैकों पर सचित्र चेतावनियाँ लागू कर दी थीं।
- **तंबाकू कर दरें:** साल 2017 में की गई कर की बढ़ोतरी में सिगरेटों को विलासिता के सामान का दर्जा दिया गया, जिससे उस पर कर की दर 28 प्रतिशत हो गई।

विनियामक वातावरण: साल 2003 में, भारत ने सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (Cigarettes and Other Tobacco Products Act - COTPA) पारित किया, जो अधिकांश प्रकार के संपर्क साधनों के माध्यम से तंबाकू के विज्ञापनों को वर्जित करता है। निर्दिष्ट धूम्रपान क्षेत्रों वाले विमानस्थलों और कतिपय क्षमता वाले होटलों और रेस्टोरेंटों के सिवाय, सभी सार्वजनिक स्थानों में धूम्रपान प्रतिबंधित है। यह कानून गुटका सहित कई प्रकार के ज्वलनशील तंबाकू, धुंआहीन तंबाकू को नियंत्रित करता है, लेकिन ई-सिगरेटों या गर्म करें-पर-जलाएं नहीं उत्पादों को प्रतिबंधित नहीं करता है। अनेक राज्यों ने ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स अधिनियम के अधीन तंबाकू रोकने की औषधियों के रूप में निकोटीन-युक्त ई-सिगरेटों को नियंत्रित करना शुरू कर दिया है, जिससे उन्हें खरीदना अधिक कठिन हो गया है। इन राज्यों में, ई-सिगरेटें नहीं बेची जा सकती हैं क्योंकि वे अस्वीकृत औषधि उत्पाद हैं, और ई-सिगरेटों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित करने के लिए एक आंदोलन जारी है।

मीडिया डायलॉग: धूम्रपान भारत की संस्कृति का भाग है, और परंपराओं, मित्रता के भाव प्रदर्शनों और धर्म में रचा-बसा है। इसलिए, धूम्रपान के स्वास्थ्य के प्रति खतरों और धूम्रपान का त्याग करने या उसके विकल्पों के बारे में सार्वजनिक वार्तालाप की मात्रा अधिक नहीं है।

धूम्रपान के विकल्पों पर विचार: आम जनता में, धूम्रपान के विकल्पों की जानकारी का अभाव है।

संख्याओं के अनुसार:

- वर्तमान में 15 और उससे अधिक की उम्र के लगभग 130 मिलियन यानी तेरह करोड़ लोग धूम्रपान करते हैं।
- मोटे तौर पर सभी वयस्कों में से आधे लोग घर पर सेकंड-हैंड धूम्रपान के संपर्क में आते हैं
- विश्व के करीबन 12 प्रतिशत धूम्रपान करने वाले भारत में रहते हैं, जिससे यह देश विश्व में सबसे अधिक धूम्रपान करने वालों से युक्त देशों में (चीन के बाद) दूसरे स्थान पर है।
- भारत में पुरुषों में कुल कैंसर 60 प्रतिशत तक तंबाकू से संबंधित है।

"मैं उन लोगों से, जिन्हें इसकी लत नहीं है, कहना चाहता हूँ कि अगर आप धूम्रपान करने लगते हैं, तो इसे छोड़ना सचमुच कठिन होता है।"

अमित माझी, छोड़ने की कोशिश में लगा धूम्रपान करने वाला